बी. ए. द्वितीय वर्ष प्राकृत साहित्य
2008–2009

अ. प्राकृत शिक्षण का माध्यम हिन्दी है। अतः प्रश्न पत्र हिन्दी में पूछें जायेंगे। परीक्षार्थी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी अथवा अंग्रेजी में लिख सकेंगे।

ब. प्रत्येक इकाई में से निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं।

स. प्रश्नों का आन्तरिक विकल्प नई परीक्षा प्रणाली के अनुसार होगा।

द. बी. ए. द्वितीय वर्ष प्राकृत साहित्य में 100–100 अकों के 3–3 घंटे के दो प्रश्नपत्र होंगे।

प्रथम प्रश्न पत्र
आगम साहित्य, शिलालेख एवं व्याकरण

100 अंक

(क) आगम साहित्य

इकाई एक – **20 अंक**

1. णायाधम्मकहा (4 एवं 6 अध्ययन) – 10 अंक
2. उत्तराध्ययनसूत्र (विनयसुत्तं 1–17 गाथाएं) – 10 अंक
   (रहनेमिज्जं 1 – 49 गाथाएं)

इकाई दो – **20 अंक**

वसुनंदिश्रावकाचार (गाथा 60 से 87 एवं 101से 111 तक)
सम्पा. पं. हीरालाल जैन, दिल्ली, अनुवाद एवं समीक्षा

इकाई तीन – **20 अंक**

प्राकृत साहित्य समीक्षा (अर्धमागधी एवं शौरसेनी आगम साहित्य का संक्षिप्त परिचय एवं पठित ग्रन्थों की समीक्षा)

इकाई चार – प्राकृत शिलालेख **20 अंक**

1. अशोक के 1 से 5 अभिलेखों (गिरनार पाठ) का अनुवाद
2. शिलालेखों पर सामान्य प्रश्न (प्राकृत के प्रमुख शिलालेखों का परिचय एवं अशोक के अभिलेखों का महत्व आदि)

इकाई पॉच – **20 अंक**

आर्ष प्राकृत व्याकरण (अर्धमागधी एवं शौरसेनी प्राकृत भाषा की सामान्य विशेषताऐं, संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया एवं कृदन्त का सामान्य ज्ञान)

सहायक पुस्तकें :–

1. प्राकृत साहित्य का इतिहास – डॉ. जगदीशचन्द जैन
2. अशोक के अभिलेख – डॉ. भट्ट
3. प्राकृत काव्यसौरभ – संम्पा. डॉ. प्रेम सुमन जैन
4. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ. नेमिचन्द शास्त्री
5. प्राकृत भारती – आगम संस्थान, उदयपुर, 1991